नये पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा का दिल्ली पुलिस कर्मियों के लिए संदेश

साथियों,

मैं, आलोक कुमार वर्मा आज दिल्ली पुलिस आयुक्त का पदभार संभालने के पश्चात आपसे कुछ शब्द कहना चाहूँगा। मैनें दिल्ली पुलिस में विभिन्न स्तर पर आपके साथ मिलकर दिल्ली के नागारिकों की सेवा की हैं। दिल्ली पुलिस मेरे मन में रची–बसी है। आज दिल्ली पुलिस के आयुक्त के रूप में आपके साथ काम करने का अवसर मिलने पर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं।

साथियों, आप सभी ने अपनी जी–जान लगा कर दिल्ली पुलिस को सींचा है और भारत की सर्वोत्तम पुलिस के रूप में इसका नाम स्थापित किया है। यह आप ही के परिश्रम, निष्ठा एंव सत्त प्रयास के कारण सम्भव हुआ है। आप सब अपने इस अथक परिश्रम के लिए शाबाशी के पात्र हैं। आगे भी हमें दिल्ली पुलिस की कार्यप्रणाली को और अच्छा एंव मजबूत बनाना है। मेरी हमेशा यह अपेक्षा रहेगी की हम सब मिलकर दिल्ली पुलिस की छवि को और सुधारें।

यह तो स्वाभाविक है कि दिल्लीवासियों को हमसे बहुत उम्मीदें रही हैं और रहेंगी। इसके अलावा भी हमें कई प्रकार की कठिनाईयों, बाधाओं और चुनौतियों का सामना करते रहना होगा।

हमें हमेशा घ्यान में रखना चाहिये कि हमारी आन्तरिक चुनौतियों जैसे कि जाति, वर्ग और धर्म हमारे कर्तव्यपालन में कोई बाधा नही डाले और हमें सदैव इनसे से ऊपर उठकर तथा निष्पक्ष रहकर अपना कार्य लगातार करते रहना चाहिए। हमें कानून व्यवस्था के प्रति जागरूक रहना होगा और सक्ष्मता एवं सवेंदनशीलता के साथ, निस्वार्थ भाव से इस कर्त्तव्य को निभाना होगा।

मैं, दिल्ली पुलिस के अपने सभी साथियों से यह भी अपेक्षा करूँगा कि ना केवल संगीन एवं गम्भीर मामलों पर ध्यान दे बल्कि छोटे से छोटे मामले जो पुलिस की नजर में तो छोटे मामले होते है, लेकिन आम आदमी के लिए परेशानी का कारण होते है, उन पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। ऐसा करने से हमारी कार्यप्रणाली दिल्ली की आम जनता की नजर में और अधिक अच्छी स्थापित होगी। मैं, आशा करूँगा कि दिल्ली पुलिसकर्मी भ्रष्टाचार, अशिष्टता एवं बर्बरता से दूर रहेगें।

वृद्ध नागारिकों, महिलाओं, बच्चों एवं समाज के कमजोर वर्ग के लोगों में हमें विशेष रूप से सुरक्षा की भावना महसूस करवानी होगी। मैं, यह भी चाहूँगा कि हमारी कार्यप्रणाली ऐसी रहे कि अपराधियों को भय महसूस हो और आम जनता में पुलिस के प्रति पूर्ण भरोसा हो। हमें अपराधियों के साथ सख्ती से पेश आना है और भारत की राजधानी को ज्यादा से ज्यादा सुरक्षित एंव अपराध मुक्त रखना हैं। यह हमें हर क्षण ध्यान रखना होगा कि दिल्ली पुलिस की छवि को किसी तरह का धक्का हमारे कृत्य से न हो।

दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल वर्ग हमारी रीढ की हड्डी है और इनके ऊपर हमारा काफी दारोमदार रहता है। मैं, यह चाहूँगा कि सुपरवाइजरी अधिकारी हमेशा अपने subordinates से संवाद की स्थिति बनाएं रखें एवं सामने आई किसी भी तरह की कठिनाई को दूर करते रहें। मेरा विशेष ध्यान प्रत्येक दिल्ली पुलिसकर्मी को समय–समय पर बराबर छुट्टी, परमिशन एवं रेस्ट मुहैया कराने पर भी रहेगा।

हमारे पुलिसकर्मी साथियों के लिए ज्यादा से ज्यादा रिहायशी मकान, बेहतर बैरक और मैस की व्यवस्था इत्यादि करने का प्रयास करूँगा।

आगे के आने वाले दिनों में अपने कर्त्तव्य को सफलता से निभाने के लिए मेरी शुभकामनाऐं आप और आपके परिवार के लिए सदैव साथ है।

साथियों बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि कल रात हमारे दिल्ली पुलिस परिवार के दो सदस्य ASI मनोज कुमार जो Traffic में तैनात थे तथा Constable अरविन्द जो Security Unit में थे की रोड़ दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु हो गई। मैं उनके परिवार के प्रति गहरा शोक प्रकट करता हूँ।

अंत में आपको यह भरोसा भी दिलाना चाहता हूँ कि आपकी किसी भी दुविधा के समाधान के लिए मेरे कार्यालय के दरवाजे आपके लिए सदैव खुले रहेंगे।

आईये, हम सब मिलकर एक बार फिर दिल्ली पुलिस को और बेहतर पुलिस बनाने की नई शुरूआत करें।

धन्यवाद। जय हिन्द।